अध्याय–तृतीय

शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया

3.1 भूमिका

3.2 न्यादर्श का चयन

3.2.1 न्यादर्श की विशेषताऐं

3.2.2 न्यादर्श का विवरण

3.3 चर

3.4 उपकरण

3.5 प्रदत्तों का संकलन

3.6 सांख्यिकी का उपयोग

तृतीय अध्याय

शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया

3.1 भूमिका :-

अनुसंधान कार्य सही दिशा की ओर अग्रसर होने के उद्देश्य से यह आवश्यक होता है कि शोध प्रबंध की व्यवस्थित रूप रेखा हो जो शोध को एक निश्चित दिशा प्रदान करे। इसमें न्यादर्श चयन विधि की विशेष भूमिका होती है क्यों कि न्यादर्श जितने सदृढ़ रहेंगे शोध के परिणाम उसने ही विश्वसनीय और परिशुद्ध होंगे। इसके बाद उपकरण तथा चयन प्रविधि महत्वपूर्ण होती है। जिसके आधार पर प्रदत्तों का संकलन किया जाता है। उपरांत उपयुक्त सांख्यिकी विधि के माध्यम से प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या की जाती है। प्रस्तुत अध्याय में शोध कार्य के सकल संपादन के लिए प्रतिदर्श, प्रतिदर्श का विवरण परिवर्ती, उपकरण, प्रदत्तों का संकलन एवं विश्लेषण हेतु प्रयुक्त सांख्यिकी का वर्णन किया गया है।

3.2 न्यादर्श का चयन-

किसी भी अनुसंधान कार्य में प्रतिदर्श का चुनाव एवं उसकी संरचना महत्वूपर्ण पहलू होती है। प्रस्तुत अध्ययन में समय सीमा का ध्यान रखते हुये प्रतिदर्श को उद्देश्य पूर्ण प्रकार से चयनित किया गया है। प्रस्तुत शोध कार्य हेतु शोधकर्ता ने प्रतिदर्श का चयन महाराष्ट्र राज्य के पुणे जिले के दौण्ड तहसील के शहरी और ग्रामीण स्कूल लिये गये है। यदि हमारे प्रतिदर्श का विश्व समान है, तब चयन पूर्णतः वैकल्पिक हो जाता है। इसके लिए सर्वेक्षण पद्धति अपनाई गई।

शोध के प्रतिदर्श की विशेषताएं निम्नलिखित है–

1. इस शोध कार्य के लिए 9वीं कक्षा के दो पाठशालाओं से 120 विद्यार्थियों का चयन किया गया।

2. जिनमें 60 छात्र और 60 छात्राएँ है।

3. ग्रामीण क्षेत्र से 60 विद्यार्थी (30 छात्राऐं और 30 छात्र) विद्यार्थी और शहरी क्षेत्र से 60 विद्यार्थी (30 छात्राऐं और 30 छात्र) है।

4. कक्षा 9वीं के विद्यार्थी इसलिये चुने गये कि इस स्तर पर लिंग–भेद के बारे में दृष्टिकोण विकसित हो जाता है।

तालिका क्रमांक–3.1

न्यादर्श का विवरण

क्र.	स्कूल का नाम	क्षेत्र	प्रतिदर्शन का प्रकार	बालक	बालिकाएँ	कुल विद्यार्थी
1.	श्री भानोबा विद्यालय, कुसेगांव, दौण्ड	ग्रामीण	उद्देश्यपूर्ण	30	30	60
2.	शेठ ज्योतिप्रसाद विद्यालय, दौण्ड	शहरी	उद्देश्यपूर्ण	30	30	60
	योग			**60**	**60**	**120**

3.3 चर–

शोध समस्या में निम्न चर है।

1. **आश्रित चर**

   लिंग समानता के प्रति दृष्टिकोण

2. **स्वतंत्र चर**

   1. लिंग– छात्र एवं छात्रा

   2. क्षेत्र– ग्रामीण एवं शहरी

3.4 उपकरण –

प्रश्नावली –

शोधकर्ता के द्वारा विद्यार्थियों का लिंग समानता के प्रति दृष्टिकोण का परीक्षण करने के लिए प्रश्नावली तैयार की गयी। इसके लिए अन्य शोधकर्ता के द्वारा बनाये गये प्रश्नावली–परीक्षण का भी पुनरावलोकन किया गया।

प्रश्नावली में कुल 47 सवाल थे। इसको पहले कुछ विद्यार्थियों को परीक्षण के लिए दिय गये। तो उसमें कुछ सवाल उनके वैचारीक स्तर से ऊंचे थे और कुछ सवाल के उत्तर संशयास्पद थे, तो उन्हें बदलकर कुल 30 प्रश्न ही रखे गये। चयन इस प्रकार किया गया कि जिसमें प्रत्येक प्रश्न संभव समान है।

इस प्रश्नावली में नकारात्मक प्रश्न एवं सकारात्मक प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न में तीन विकल्प है–

a) सहमत

b) तटस्थ

c) असहमत

इसमें वाक्य के प्रकार से ही सही उत्तर को 3 गुण है, तटस्थ को 2 गुण है। इस प्रश्नावली में उच्चतम गुणांक 90 है तो निम्न गुणांक 30 है। लिंग समानता के परीक्षण में सम्मिलित किये गये घटक प्रश्न क्रमांक और प्रश्न का प्रतिशत प्रमाण–

तालिका क्रमांक–3.2

क्र.	घटक	प्रत्येक घटक प्रश्न क्रमाक	प्रश्न का प्रतिशत
1.	सामाजिक	1,5,7,14,17,20,22,26, 28,29	33.33%
2.	शैक्षिक	2,6,8,10,12,21,24,25, 30,31,19	36.66%
3.	राजनैतिक	15	3.33%
4.	आर्थिक	16, 18	6.66%
5.	पारिवारीक	3, 23, 9	9.99%
6.	खेल	4, 11, 13	9.99%
		कुल प्रश्न=30	99.99%

3.5. प्रदत्तों का संकलन –

प्रदत्तों का संकलन प्रश्नावली की सहायता से समंको को इकट्ठा किया गया। इससे पहले दोनों स्कूल में जाकर वहां के मुख्याध्यापक एवं शिक्षकों को इसके बारे में अवगत कराया तथा उनसे अनुमती देने के बाद दूसरे दिन विद्यार्थियों से इसके बारे में चर्चा की।

फिर विद्यार्थियों को प्रश्नावली के संदर्भ में बताया तथा विकल्प चुनने के लिए अपना खुद का तर्क लगाओं या अपना मत दो ऐसा कहां गया।

प्रश्नावली के लिए 45 मिनिट का समय दिया गया। बिच में विद्यार्थियों ने कुछ शब्द का अर्थ भी पूछा उसका शोधकर्ता ने समाधान किया। प्रश्नावली संबंधी सूचना ब्लैकबोर्ड पर भी लिखे गये।

अंत में शोधकर्ता ने इस परीक्षण के लिए विद्यार्थियों के सहयोग का आभार माना।

समंको को दो स्कूल से छात्र–छात्राओं से अध्ययन के लिए संग्रहित किया गया जिसमें –

1. शेठ ज्योति प्रसाद विद्यालय, दौण्ड शहर, ता– दौण्ड जिला– पुणे
2. श्री भानोबा विद्यालय, कुसेगांव, पो– पाटस, ता– दौण्ड, जिला, पुणे।

3.6 सांख्यिकी का उपयोग

प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु Mean (मध्यमान), standard deviation (मानक विलचन) , 6d (प्रमाणिक त्रुटी) और 't' परीक्षण का प्रयोग किया गया।